दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

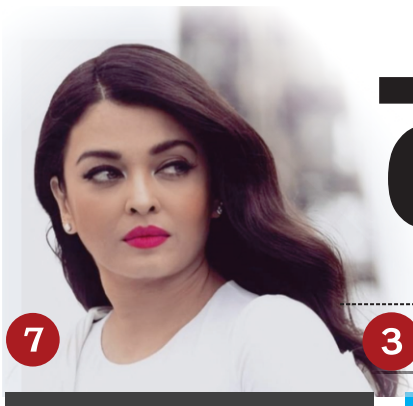

7 | 3 धनतेरस पर धन वर्षा... | 5 छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहेगा कोई भी छात्र | 8 'रोहित-कोहली मेरी मदद...

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 17 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 20 अक्टूबर,2025

जगमग हुई राम की नगरी अयोध्या

'जय सिया राम' के उद्घोष से गूंजी अयोध्या, 26 लाख दीपों से सजी प्रभु श्रीराम की नगरी

अयोध्या,संवाददाता। कहि न जाइ कछु नगर बिभूती, जनु एतनिअ बिरंचि करतूती। सब बिधि सब पुर लोग सुखारी, रामचंद मुख चंदु निहारी रामनगरी में रविवार की सांझ एक बार फिर अद्भुत, अलौकिक, अविस्मरणीय...कल्पनातीत सौंदर्य दिखा। दीपोत्सव–2025 में 26,17,215 (26 लाख, 17 हजार, 215) दीपों से जगमगाती रामनगरी को कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर जिसने भी देखा, अपलक निहारता ही रह गया। प्रभु श्रीराम की अपनी नगरी अयोध्या के वासी हों, भारत के अनेक राज्यों से आए श्रद्धालु या फिर दुनिया के कोने–कोने से आए पर्यटक, सभी अवधपुरी के कण–कण, रज–रज में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की छवि को हृदय में बसाए थे। हर दिशा में श्रीराम, जय राम, जय जय राम गुंजायमान रहा। अवधपुरी में रविवार को दीपोत्सव एक बार फिर अविस्मरणीय हो गया। हर श्रद्धालु के मन की उमंगें हिलोरे ले रही थीं, क्योंकि अब तक नौवीं और 500 वर्ष पश्चात 22 जनवरी 2024 को अपने भव्य महल में विराजमान होने के उपरांत प्रभु के चरणों में दूसरी बार 'समूचे भारत' ने दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव मनाया। सहज आह्लाद के साथ आत्मीयता के भावों को संजोए हुए आराध्य प्रभु के प्रति आस्था निवेदित करते हुए सरयू तीरे (राम की पैड़ी) जल रहे दीपों के बीच निहाल श्रद्धालुओं के हर्ष और उमंग की अनुभूति महसूस हो रही थी। 'राम राम जय राजा राम' 'जय सिया राम' 'सियावर रामचन्द्र की जय' जयघोष के साथ सरयू की लहरों में उठती तरंगें देख ऐसा लगा कि मानो सरयू मैया भी 'अपने राम' की जयकार कर रही हों। समूची अवधपुरी को सजाया गया था। अयोध्या के मंदिरों, छोटी गलियों से लेकर मुख्य मार्गों, सभी सरकारी, धार्मिक भवनों पर तो आकर्षक लाइटिंग की गई थी। नगरवासियों ने भी अपने राम के लिए घरों में दीप जलाए।

योगी सरकार ने राम के चरणों में फिर बनाए दो नए रिकार्ड

योगी सरकार ने रामनगरी में रविवार को अपना पुराना सभी रिकॉर्ड तोड़ दिया। योगी सरकार के नौवें दीपोत्सव में अयोध्या ने फिर से दो नए रिकॉर्ड बनाए। दीपोत्सव 2025 में 26,17,215 (26 लाख, 17 हजार 215) दीप प्रज्ज्वलित किए गए। वहीं दूसरा रिकॉर्ड सरयू मैया की आरती का रहा, जहां एक साथ 2128 वेदाचार्यों, अर्चकों व साधकों ने सरयू मैया की आरती की। ड्रोन से की गई दीपों की गणना के उपरांत दीपोत्सव ने नया कीर्तिमान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि की तरफ से हुई घोषणा के दौरान ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभिभूत हो गए। एक तरफ उनके चेहरे पर मुस्कान थी तो दूसरी तरफ दोनों हाथ उठाकर संतुष्टि व खुशी का भाव।

26,17,215
दीप प्रज्ज्वलित कर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया गया

अयोध्या में दीपोत्सव 2025 भव्यता से मनाया गया, जहाँ 26,17,215 दीप प्रज्ज्वलित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। यह प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद दूसरा दीपोत्सव था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में, 2128 वेदाचार्यों ने सरयू आरती कर एक और रिकॉर्ड स्थापित किया। पूरी अयोध्या नगरी को सजाया गया था और एक ड्रोन शो ने रामायण के दृश्यों को दर्शाया, जिससे देश–विदेश से आए श्रद्धालु भाव–विभोर हो गए।

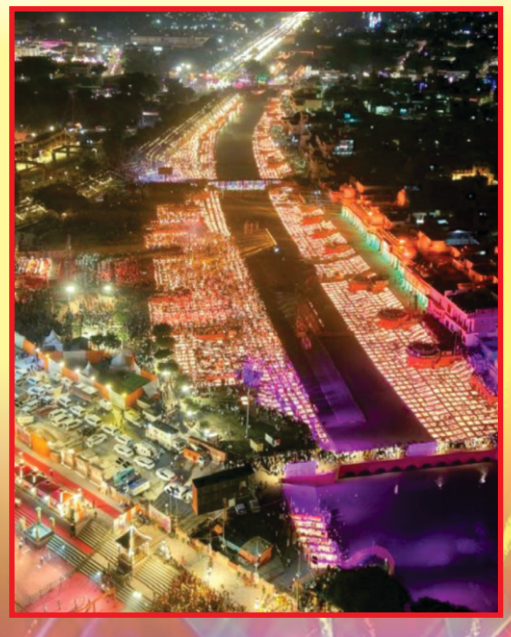

सम्पादकीय

महंगाई की कितनी आपूर्ति

सरकारी कर्मचारियों का भुगतान फिर दिवाली की किस्त में दर्ज हुआ, तो हिमाचल सरकार ने महंगाई की आपूर्ति में तीन कदम बढ़ा दिए। सत्तर लाख की आबादी में 3.62 लाख कर्मचारी और पेंशनरों के चूल्हे पर तीन प्रतिशत डीए की किस्त राज्य के आर्थिक दबाव बढ़ाने के बावजूद कितना संतुष्ट कर पाएगी, यह कहा नहीं जा सकता। कर्मचारी अपेक्षाओं का समुद्र इतना गहरा है कि सरकार की किश्तियां कभी भी साहिल पर नहीं पहुंच पातीं, इसलिए तीन प्रतिशत महंगाई के वित्तीय मुनाफे खुदगर्ज ही रहेंगे। ये मनौतियां हैं या मन्नतें जो सरकार की ओर से निभाई जाती हैं। डीए की किस्तें अब हक हकूक की पैरवी में सरकारों के वित्तीय खातों को कमजोर करके भी एक दस्तूर नहीं बनती, इसलिए यह कोई मापक यंत्र नहीं, बस सत्ता से एक हिसाब किताब है। यही परिदृश्य एचआरटीसी पेंशनरों की हड़ताल को कर्कश बना रहा है। वहां किसका पलड़ा भारी, किस पर दुश्वारी, फैसला होने से पहले, एक असंतोष जहरीला होने लगा है। दो महीने से पेंशन का चिट्ठा एचआरटीसी पेंशनरों को सडक़ पर पहुंचा गया, तो यह प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन है या हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली चादर। ऐसे कई सरकारी उपक्रम हैं जो अपने उद्देश्यों का अमृत पीकर अब जहर उगल रहे हैं। ढांचा इतना कमजोर है कि सरकार को उधार लेकर खिलाना पड़ रहा है। कब तक एचआरटीसी के प्रदर्शन में सार्वजनिक धन को जलाना पड़ेगा। आश्चर्य के बोध में सरकारी नवाले हर जगह तकलीफदेह हैं। ओपीएस का नवाला प्रदेश के आर्थिक संसाधनों की जान लेगा या यह प्रदेश जी जान लड़ा कर किसी तरह कर्मचारी ब्रिगेड के आशियानों, अफसानों, एहसानों और फरमानों की जुंबिश में एक मजबूर साहस करते हुए उधार में पगार की कतार को संतुष्ट करता रहेगा। यह इसलिए कि बिजली बोर्ड कर्मचारी ओपीएस बहाली की सतह पर गर्म मिजाज रखते हैं। यह स्वाभाविक आक्रोश हो सकता है क्योंकि कर्मचारी तो कर्मचारी है, चाहे एक डाल पर बैठे या दूसरी पर। गुनाह तो राजनीतिक होते हैं जो कब्र पर महल बनाकर पुण्य कमाना चाहते हैं। हैं कब्रें बहुत और हर विभाग में बहुत हैं। एचआरटीसी के ड्राइवर–कंडक्टर तो बूढ़ी, उम्रदराज और कंडम हो चुकी बसों को भी चलाने की जुर्रत करते हैं, लेकिन नित नए डिपो खोल कर सियासत ने कर्म की कब्रगाह खोद डालीं। यही हाल अन्य विभागों का है, सरकारी खर्चों का है, राजनीतिक नियुक्तियों का है, सरकारी कामकाज की गुणवत्ता का है और उस परिपाटी का भी है जो जनता को निराश करके सदा विद्यमान रहती है। प्रदेश की सारी मोहलतें, आर्थिक कुर्बानियां और वित्तीय निशानियां अगर बजट में खोजनी हों, तो सरकारी कर्मचारी की पगार, पेंशन और वित्तीय अधिकारों की फेहरिस्त तलवार बन जाती है। सरकार कब तक चैन मनाएगी, इसलिए फिलहाल तीन प्रतिशत दर से महंगाई का भत्ता दर्ज हुआ। यह दीगर है कि भत्तों की लंबित कतार इससे दूर नहीं हुई। अपेक्षाओं की सुगबुगाहट में केंद्रीय कर्मचारियों की डीए किस्तें दरबान की तरह सरकार के कक्ष के बाहर खड़ी हैं। केंद्रीय कर्मचारियों को 58 फीसदी महंगाई भत्ता मिल चुका है, तो यही मुकाबला राज्य की तस्वीर में अब 45 प्रतिशत हो गया, यानी कर्मचारी वर्ग को खुश करने की नीयत में राज्य सरकार को 13 प्रतिशत डीए का देय, अपनी फितरत में सहेज कर रखना होगा। हम पल भर के लिए सोचें कि हिमाचल किसके लिए कमाए, किसके लिए गवाए। निजी क्षेत्र, स्वरोजगार, व्यापार व उद्यम में लगे करीब 15 से बीस लाख लोगों पर सरकारी बजट का कोई उद्देश्य इतना सक्रिय क्यों नहीं होता। एक महत्त्वाकांक्षी युवा पीढ़ी के लिए रोजगार का ढांचा कब इतना जरूरी होगा कि सरकारें समय–समय पर यह भी बता सकें कि निजी क्षेत्र को बचाने के लिए भी कोई किस्त आमद हुई।

बस हाथों को हिलाकर घटेगा वजन!

अगर आप सैर करके हुए भी वजन नहीं घटा पा रहे हैं, तो आपके चलने का तरीका गलत है। सही तरीके से चलकर आप बिना किसी एक्सरसाइज के भी कैलरी बर्न कर सकते हैं और तेजी से पूरे शरीर की चर्बी घटा सकते हैं। वेट लॉस करने के लिए जिम और डाइट सब ट्राई कर लिया, लेकिन इसके बाद भी शरीर की चर्बी जस की तस है। असल में वजन घटाना कई बार इतना मुश्किल होता नहीं है, जितना हम समझते हैं। एक्सपर्ट शिवा पांडे के मुताबिक क्या आप जानते हैं कि सिर्फ चलते वक्त अपने हाथों की मूमेंट को ठीक करके भी आप अपना वजन कम कर सकते हैं। चलते हुए ना सिर्फ आपकी लोअर बॉडी मूव करती है, बल्कि शरीर का ऊपरी हिस्सा भी इससे मूव करता है। चलते समय आर्म्स को हिलाना केवल संतुलन बनाए रखने के लिए ही नहीं होता, बल्कि यह एक एक्टिविटी की तरह काम करता है। आर्म्स को कंधों से कंट्रोल करते हुए एनर्जी के साथ हिलाने से चलने की गति में वृद्धि होती है और शरीर को आगे की ओर मूव करने में मदद मिलती है। अध्ययनों में यह सामने आया है कि एक्टिव होकर आर्म्स को झुलाते हुए चलने से कैलोरी बर्न में 10–15 तक की वृद्धि हो सकती है। ऐसे में आपका ये छोटा सा मूव आपकी वेट लॉस जर्नी में अहम भूमिका निभा सकता है।

चलते समय अपनी कोहनियों को लगभग 90 डिग्री पर मोड़कर रखने से आपकी चाल तेज और फुर्तीली हो जाती है। यह विशेष मुद्रा कंधों पर दबाव को कम करती है, साथ ही आर्म्स के हर झटके को और भी पावरफुल बनाती है। इस तरह, शरीर अधिक कैलोरी बर्न करता है, क्योंकि यह केवल पैरों तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि शरीर के पूरे ऊपरी हिस्से पर भी प्रभाव डालता है। पेट की मसल्स को एक्टिव करने के लिए, चलने के दौरान आर्म्स को शरीर की मध्य रेखा के सामने थोड़ा–सा क्रॉस करना चाहिए। आर्म्स की गति का यह छोटा सा मोड़ पेट की तिरछी मसल्स (ओब्लिक्स) को मजबूत करता है और समय के साथ कमर को सुडौल बनाने में सहायता करता है। यह एक ऐसी प्रभावी तकनीक है जिसका उपयोग एथलीट अक्सर शरीर के निचले और ऊपरी हिस्सों की गतिविधियों को एक साथ जोड़ने के लिए करते हैं।

जोहो से फायदा या उलझन

इस साल लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। इसके बाद कई और मंचों से उन्होंने यही आग्रह किया कि हमें आत्मनिर्भर होना है तो विदेशी वस्तुओं का त्याग करना पड़ेगा। हालांकि यह त्याग केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रहा, अब तकनीकी में भी स्वदेशी पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने जानकारी दी कि उनका ईमेल अब जोहो पर शिफ्ट हो गया है। उनके अलावा कई और केन्द्रीय मंत्री और केन्द्रीय एजेंसियों के करीब 12 लाख कर्मचारियों के ईमेल सरकारी एनआईसी. इन से हटाकर प्राइवेट कंपनी ज़ोहो पर शिफ्ट हो गये। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय भी शामिल है। डोमेन तो एनआईसी.इन या जीओवी. इन ही है, लेकिन स्टोरेज, एक्सेस और प्रोसेसिंग सब ज़ोहो के जिम्मे रहेगा। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 3 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी किया कि जोहो सूट का इस्तेमाल करो। तकनीकी में स्वदेशी का इस्तेमाल खुशी की बात है। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस दिशा में अनुकरणीय काम किया है। और उनसे भी पहले 1976 में, जिस साल को केवल आपातकाल के लिए याद किया जाता है, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) की स्थापना की थी, जो डिजिटल इंडिया और ई–गवर्नेंस का आधार बनी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एनआईसी भारत सरकार का प्रमुख आई टी संगठन है। एनआईसी ने डिजिटल क्रांति को संभव बनाया, लेकिन क्या अब इसे भी स्वदेशी के नाम पर तिलांजलि दी जा रही है, जबकि यह सच्चा स्वदेशी है। क्योंकि यह सरकारी उपक्रम है। जबकि ज़ोहो एक निजी उपक्रम है, गूगल की तरह ही। अगर सरकार को लगता है कि गूगल पर सब कुछ उपलब्ध होने से निजता का खतरा रहेगा, तो ज़ोहो के साथ भी वही खतरा बरकरार रहेगा। बता दें कि 2022 में हैकर्स ने एम्स के 5 सर्वर और 1.3 टीबी से ज्यादा डेटा पर कब्जा कर लिया था। इससे सरकार को काफी नुकसान हुआ। तभी यह बात चली कि स्वदेशी संचार तंत्र होता तो ऐसा नहीं होता। इसके बाद स्वदेशी संचार तंत्र की तलाश में 2023 में केंद्रीय सूचना मंत्रालय ने सुरक्षित मेल सेवाएं देने के लिए टेंडर निकाले। टेंडर ज़ोहो मेल ने जीता। नेशनल इंफॉर्मेटिक सेंटर ने 20 गोपनीय सुरक्षा मापदंडों पर ज़ोहो मेल का ऑडिट किया। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसी सुरक्षा एजेंसियों ने ज़ोहो की स्वतंत्र सुरक्षा जांच की। इसके बाद ज़ोहो पर भरोसा किया गया। कॉर्पोरेशन के साथ 7 साल के अनुबंध बाद एनआईसी के डोमेन से पीएमओ समेत सभी सरकारी ईमेल ज़ोहो पर चले गए। इसका मतलब है कि सरकारी फाइल्स और दस्तावेजों तक अब ज़ोहो की पहुंच है। सरकार स्वदेशी की बात तो करती है लेकिन सॉफ्टवेयर की निजी कंपनी में स्वदेशी और परदेशी के बीच की जो महीन रेखा है, वो कब पार हो जाएगी, पता भी नहीं चलेगा। वैसे 1996 में बने ज़ोहो कॉर्पोरेशन के कर्ताधर्ता श्रीधर वेम्बू की सरकार से नजदीकी छिपी हुई नहीं है। वे काफी हद तक संघ की विचारधारा के करीब हैं, हालांकि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ समय पहले नंगे पैर चलने के स्वास्थ्य लाभ बताने वाली उनकी एक पोस्ट पर आलोचना हुई तो उन्होंने कहा था कि उन्हें संघी कहकर भी आलोचना की जाती है। ध्यान देने वाली बात ये है कि 22 नवंबर 2024 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वेम्बू मुख्य अतिथि थे जो गोरखपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी में आयोजित था। वे इससे पहले चेन्नई में एबीवीपी संगमम में भी शामिल हुए थे। फरवरी 2019 में वेम्बू चेन्नई के आरएसएस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। मोदी सरकार ने 2021 में वेम्बू को पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसी साल वे अजीत डोभाल के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सदस्य बने और 2024 में यूजीसी के सदस्य बने। यह अघोषित तौर पर समझी हुई बात है कि मोदी सरकार में इस तरह की नियुक्तियां या सम्मान किन लोगों के हिस्से आता है। इसलिए ज़ोहो पर सरकार की इतनी मेहरबानी पर अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या ज़ोहो की आड़ में संघ की पूरी पहुंच देश से जुड़े संवेदनशील डेटा तक बना दी गई है। बता दें कि हाल ही में जोहो ने व्हाट्सऐप जैसा अरात्ती मैसेंजर लॉन्च किया है, तमिल में अरात्ती का मतलब बातचीत होता है। पहल अच्छी है, लेकिन निजता का सवाल उलझा हुआ है। सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी थी कि सिंगल टिक यानी संदेश भेजना, डबल टिक यानी मैसेज पहुंचना और अमित शाह की तस्वीर यानी मैसेज का पढ़ा जाना। याद रहे कि व्हॉट्सऐप पर मैसेज पढ़ने पर नीले टिक का प्रावधान है, लेकिन अरात्ती पर अमित शाह की तस्वीर का तंज कसकर आगाह किया गया कि आपके सारे संदेश यहां पढ़े जाएंगे। ज़ोहो की काबिलियत और क्षमता पर तकनीकी जानकार ही बेहतर बता सकेंगे कि क्या गूगल का मुकाबला वह कर सकता है या नहीं, लेकिन यहां काबिलियत से भी गंभीर सवाल नीयत का उठता है। क्योंकि मोदी सरकार पर अक्सर आरोप लगते हैं कि सरकार की आलोचना या नरेन्द्र मोदी पर की गई कोई भी टिप्पणी सीधे देश विरोध से जोड़ दी जाती है। संसद में विपक्ष के माइक बंद करने के आरोप लगते हैं और बाहर मीडिया को जेब में रखने के। ऐसे में जिस कंपनी का कर्ता धर्ता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में हो, क्या वह अपने उपभोक्ताओं से ज्यादा सरकार का ख्याल नहीं रखेगी। और जहां तक स्वदेशी की बात है तो कुछ साल पहले ट्विटर के मुकाबले कू को विकल्प बनाने की कोशिश की गयी थी, लेकिन दक्षिणपंथियों का उसकी तरफ रुझान देखकर बहुत से लोग वहां नहीं गए। कू की कूक अब सुनाई नहीं देती। ज़ोहो का भविष्य क्या होगा या ज़ोहो के साथ देश का भविष्य क्या होगा, यह एक नया सवाल खड़ा हो गया है।

लूटने को ललचाता लद्दाख

पहाड़ के लोग कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन करते हैं और उनके लिए मुख्यधारा के धन्ना सेठों से प्रतिस्पर्धा कर पाना संभव नहीं होता। यदि खुले खेल की नौबत आती है तो स्थानीय लोग तात्कालिक लाभ के लालच में अपनी जमीनों और संसाधनों से वंचित हो जाएंगे। इस समझ के चलते ही चुनी हुई विधानसभा के साथ संविधान की 'छठी अनुसूची' के प्रावधान लागू करने की मांग उठने लगी थी। लद्दाख पिछले कुछ वर्षों से कुछ मुद्दों को लेकर आंदोलित है। वहां धारा 370 हटने की खुशी मनाई गई थी, क्योंकि वह काश्मीर के निजाम में उपेक्षित महसूस करता था। नई व्यवस्था बनने से केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा मिल गया, किन्तु धीरे–धीरे समझ आने लगा कि बिना विधानसभा के केन्द्रशासित प्रदेश का दर्जा आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पाएगा। चुने हुए स्थानीय प्रतिनिधियों वाली विधानसभा के बिना यहां की जन–अपेक्षाओं को समझना और पूरा कर पाना संभव नहीं है। खासकर वहां की जमीनों पर, जिनकी खरीद–बिक्री पर धारा 370 की वजह से रोक लगी थी, बाहरी कब्जे का खतरा पैदा हो गया था। पहाड़ के लोग कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन करते हैं और उनके लिए मुख्यधारा के धन्ना सेठों से प्रतिस्पर्धा कर पाना संभव नहीं होता। यदि खुले खेल की नौबत आती है तो स्थानीय लोग तात्कालिक लाभ के लालच में अपनी जमीनों और संसाधनों से वंचित हो जाएंगे। इस समझ के चलते ही चुनी हुई विधानसभा के साथ संविधान की 'छठी अनुसूची' के प्रावधान लागू करने की मांग उठने लगी थी, जिसका सत्तारूढ़ पार्टी और केन्द्र सरकार ने वादा भी किया था। बना रहा सोना को एक सुरक्षित पनाहगाह विशालकाय सौर–ऊर्जा और पवन–ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 80 वर्ग किलोमीटर जमीन पांग क्षेत्र में अधिग्रहण की गई है। 21 मार्च 2003 को राज्यसभा में सूचना दी गई थी कि पांग, डबिंग, और खरनाक में सौर, पवन उर्जा के लिए 250 वर्ग किलोमीटर जमीन अधिग्रहण की जाएगी। 2070 मेगावाट जलविद्युत बनाने की भी योजना है। लद्दाख में बहुत से दुर्लभ खनिज पाए जाते हैं जिनके परिवहन के लिए विशाल सड़क और रेल परियोजनाएं हैं। कुछ खनन पट्टे दिए भी गए हैं। जाहिर है, स्थानीय चुनी हुई सरकार न होने से इतने बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट घरानों के परियोजना–कार्यों से पर्यावरण को होने वाली हानि को कौन रोक सकेगा? जिन कॉर्पोरेट कंपनियों को अपने लाभ के अलावा कुछ नहीं दिखता, उनके भरोसे स्थानीय लोग इस संवेदनशील पर्यावरण को नहीं छोड़ना चाहते। ।सेव त्मंक – विश्व खाद्य दिवस : हर थाली में अन्न, हर जीवन में गरिमा 'छठी अनुसूची' के प्रावधान लागू होने से स्थानीय व्यवस्था को इन परियोजनाओं की मनमानी रोकने के कुछ कारगर उपकरण मिलेंगे। यह तो देशहित में ही है कि स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करके विकास को पर्यावरण–सम्मत दिशा दी जाए। इससे वैकल्पिक तकनीकों के सुझाव भी मिल सकेंगे जिससे इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय नुकसान को कम किया जा सकेगा। स्थानीय लोग कैसे इन कार्यों से आर्थिक रूप से लाभान्वित हो सकेंगे, यह भी देखना संभव होगा। इसी के साथ कारगिल और लेह के लिए दो अलग–अलग लोकसभा सीटें और नौकरियों में स्थानीय निवासियों को संरक्षण की मांग है। ये मांगें किसी भी हालत में संविधान से बाहर नहीं हैं। संविधान के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत अन्य कई राज्यों में आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़े समुदायों को इस तरह के संरक्षण दिए गए हैं। लद्दाख में 90 से 95 प्रतिशत आबादी जनजातीय समुदायों की है जिनकी विशिष्ट संस्कृति है। आर्थिक–सामाजिक रूप से भी ये लोग कठिन जलवायु और अति संवेदनशील पारिस्थितिक हालत में रहने के कारण हाशिए पर रहने वाले लोग हैं। इन आधारों पर उनकी मांगें तर्क–सम्मत ही हैं। हां, उनमें संवाद से कुछ घटा–बढ़ी तो की ही जा सकती है, किन्तु सरकार ने इस मामले को लटका कर पेंचीदा बनाने का काम किया है। आन्दोलनकारी लंबे समय से आशावान थे। जाहिर है, ऐसे में कुछ लोग थकावट भी महसूस करने लगते हैं। इतना समय बार–बार देना भी संभव नहीं होता, क्योंकि रोटी–रोजी भी कमानी पड़ती है। ऐसे दबाव में आन्दोलन या तो असफल होकर चुप बैठ जाते हैं या जल्दबाजी में हिंसा को बुरा न मानने वाले नेतृत्व के हाथ में खिसक जाते हैं। इसके अनेक उदाहरण हैं जहां सरकारों ने थकाकर आंदोलनों को असफल करने का हथकंडा अपनाया। लद्दाख के मामले में भी लगभग यही सोच काम कर रही थी। बातचीत की कुछ पहलें तो हुईं, किन्तु परिणाम नहीं निकल सके। इससे क्षुब्ध कुछ युवाओं ने लद्दाख में पिछले दिनों अवांछित तोड़–फोड़ करके अपने ही आन्दोलन को कमजोर करने की गलती कर दी।

धनतेरस पर धन वर्षा...

दो हजार करोड़ का हुआ कारोबार- लोगों ने की जमकर खरीदारी

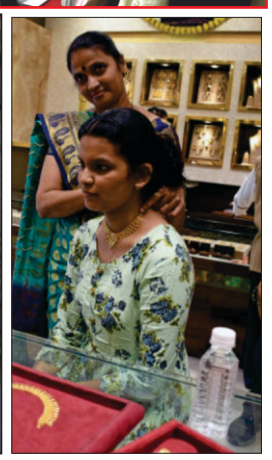

गोरखपुर,संवाददाता। शनिवार को धनतेरस पड़ने की वजह से लोगों ने बड़ी संख्या में बुकिंग्स कीं और शुक्रवार को डिलीवरी ली। वहीं, रविवार को भी कई ग्राहकों को वाहनों की डिलीवरी होगी। इस बार इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग भी ज्यादा रही। इस बार सभी शो–रूम मिलाकर धनतेरस पर दो हजार चार पहिया तो चार हजार दो पहिया वाहनों की बिक्री व कुल व्यापार 250 करोड़ की होने की उम्मीद है। धनतेरस के अवसर पर शनिवार को बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। लोगों ने परंपरा और आस्था के साथ जमकर खरीदारी की, जिससे शहर में करीब दो हजार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

चाहे सराफा बाजार हो, ऑटोमोबाइल शोरूम या फिर इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानें, हर जगह ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। धनतेरस को धन की देवी लक्ष्मी और आरोग्य के देवता धन्वंतरि की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन कुछ न कुछ खरीदना शुभ होता है, विशेषकर धातु जैसे सोना और चांदी। यही वजह रही कि गोलघर, रेती, बेतियाहाता, अलहदादपुर, असुरन स्थित सराफा दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लग गई थी। सराफा व्यापारियों के मुताबिक, इस बार दामों में बढ़ोतरी के बावजूद लोगों ने भरपूर खरीदारी की।

सराफा मंडल के अध्यक्ष गणेश वर्मा ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार 20 प्रतिशत अधिक बिक्री हुई है।

खासतौर पर 22 कैरेट सोने की चेन, झुमके, मंगलसूत्र और चांदी के सिक्कों की डिमांड सबसे ज्यादा रही। चांदी की कीमतों में भी उछाल के बावजूद लोगों ने मूर्तियां और सिक्के खरीदे। सराफा बाजार में एक हजार करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ।

ऑटो सेक्टर में उछाल, बिकीं सैकड़ों गाड़ियां

धनतेरस पर केवल सोना–चांदी ही नहीं, बल्कि ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जीएसटी स्लैब में हाल ही में हुए बदलाव और कंपनियों की ओर से दिए गए त्योहारी ऑफर्स की वजह से गाड़ियों की बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई। शहर के प्रमुख ऑटो डीलरों के अनुसार करीब 4500 दो पहिया तो दो हजार के करीब चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई है।शनिवार को धनतेरस पड़ने की वजह से लोगों ने बड़ी संख्या में बुकिंग्स कीं और शुक्रवार को डिलीवरी ली। वहीं, रविवार को भी कई ग्राहकों को वाहनों की डिलीवरी होगी। इस बार इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग भी ज्यादा रही। इस बार सभी शो–रूम मिलाकर धनतेरस पर दो हजार चार पहिया तो चार हजार दो पहिया वाहनों की बिक्री व कुल व्यापार 250 करोड़ की होने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और गृहसज्जा के सामान की भी खूब खरीदारी

धनतेरस पर केवल गहनों और गाड़ियों की ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स और गृह सज्जा की वस्तुओं की भी खूब बिक्री हुई। खासकर स्मार्ट टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मोबाइल और किचन अप्लायंसेज की जबरदस्त डिमांड रही। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारी छूट और आसान ईएमआई विकल्पों के चलते ग्राहकों ने दिल खोलकर खरीदारी की। 40 इंच से ऊपर की स्मार्ट टीवी और डबल डोर फ्रिज सबसे ज्यादा बिके।

बोले व्यापारी...

धनतेरस में इस साल ग्राहकों का रिस्पॉन्स उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा। गोल्ड, डायमंड और सिल्वर ज्वेलरी में शानदार बिक्री हुई। ऐश्प्रा में क्वॉलिटी और ट्रस्ट हमारी पहचान हैं और हम यही भरोसा आगे भी बनाए रखेंगे: अनूप सराफ, निदेशक, ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स

सोना–चांदी की कीमतों में उछाल के बावजूद ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की है। हल्के वजन में डिजाइनर ज्वेलरी की मांग काफी ज्यादा रही। चांदी के सिक्के और ज्वेलरी भी लोगों ने खरीदी है। हीरे के आभूषणों की भी लोगों ने खरीदारी की। तमाम लोगों ने बजट के अनुसार अन्य आभूषण भी खरीदें: संजय अग्रवाल, निदेशक, परंपरा जेम्स एंड ज्वेल्स

पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष गाड़ियों की सेल बढ़ी है। शनिवार को धनतेरस की वजह से बहुत सारे लोगों ने शुक्रवार को ही डिलीवरी ली। रविवार के लिए भी काफी बुकिंग है। तीनों दिन मिलाकर 400 से अधिक गाड़ियों की डिलीवरी हुई: अभिषेक अग्रवाल, निदेशक, आर्बिट ऑटोमोबाइल्स

जीएसटी स्लैब में बदलाव के बाद गाड़ियों की बिक्री तेजी से बढ़ी है। लोग इस छूट का लाभ उठा रहे हैं। धनतेरस में इसका काफी असर देखने को मिला।

पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत तक मांग अधिक रही: राजू जायसवाल, निदेशक, भीम मोटर्स एवं आदित्य मोटर्स

धनतेरस में दो पहिया वाहनों की जमकर बिक्री हुई है। शनिवार को डिलीवरी कम हुई। लोग शुक्रवार को ही गाड़ी घर ले गए। वहीं, रविवार को भी काफी गाड़ियां जाएंगी। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री भी इस साल तेजी से बढ़ी है: **नितिन मातनहेलिया, निदेशक, डीपी मोटर्स**

ट्रेन की चपेट में आकर मां व मासूम की मौत

कानपुर,संवाददाता। दिबियापुर में पति–पत्नी के विवाद के बाद महिला और उसके बेटे की अमृत भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत हो गई। महिला दो माह की गर्भवती थी। जीआरपी मामले की जांच कर रही है। औरैया जिले में दिबियापुर कस्बा निवासी एक महिला व उसका मासूम बेटा देर रात करीब 12 बजे अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी पर जीआरपी मौके पर पहुंची। दोनों शवों को ट्रैक से हटाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मां–बेटे घटनास्थल पर कैसे पहुंचे पुलिस इसकी जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, कस्बा के मोहल्ला संत रविदास नगर निवासी अनिल फफूंद रेलवे स्टेशन के थाने की तरफ फल की दुकान किए है। बुधवार रात रोजाना की तरह बुधवार रात आठ बजे उसकी पत्नी पूजा (28) अपने पांच वर्षीय बेटे दीपक के साथ पति को खाना देने पहुंची। वहां मौजूद ससुर, ननद आदि परिजन से पांच रुपये बेटे के इलाज के लिए मांगे।

रेलवे लाइन पार करते समय हुआ हादसा

रुपये मिलने के बाद वह रेलवे फुटओवर ब्रिज से न जाकर गली से होते हुए ओवरब्रिज के नीचे से रेलवे लाइन पार कर डॉक्टर के पास पहुंची। रात करीब साढ़े 11 बजे वहां से वापस जाते समय रेलवे लाइन पार कर रही थी।

सीएम योगी ने किए संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के अंतिम दर्शन, अर्पित की श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिव शांति आश्रम पहुंचकर संत के अंतिम दर्शन किए और उन्हें नमन किया। उन्होंने संत के अनुयायियों के प्रति संवेदना जताई

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लखनऊ स्थित शिव शांति आश्रम पहुंचे और आश्रम के पीठाधीश्वर संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संत शिरोमणि के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और उपस्थित शोकाकुल श्रद्धालुओं के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के पार्थिव शरीर पर केसरिया अंग वस्त्र ओढ़ाया और उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। गौरतलब है कि संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी बुधवार को ब्रह्मलीन हो गए थे।

मुख्यमंत्री योगी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बुधवार को ही अपने सोशल मीडिया संदेश में लिखा था,"सिंधी समाज के प्रमुख धर्मगुरु, पूज्य श्री शांति आश्रम के पीठाधीश्वर, संत शिरोमणि श्री सांईं चांडूराम साहिब जी का निधन अत्यंत दुःखद और आध्यात्मिक समाज की अपूरणीय क्षति है। मेरी संवेदनाएं उनके शोक संतप्त अनुयायियों के साथ हैं। भगवान झूलेलाल से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान और अनुयायियों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। शांति!"

शिव शांति आश्रम पहुंचकर संत के अंतिम दर्शन किए

मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। श्रद्धालुजन और अनुयायी संत शिरोमणि के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए उनके आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने की बात करते दिखे।

हरसिंहपुर में कुत्तों का आतंक...

पैर में संक्रमण फैलने से तारा की मौत, अवनी के चेहरे पर लगाए 60 टांके

हापुड़,संवाददाता। हापुड़ जिले के हरसिंहपुर गांव में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कुत्ते के काटने से सात वर्षीय ग्रेशी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चार वर्षीय अवनी के चेहरे पर 60 टांके आए हैं। मासूमों पर हुए इन हमलों से गांव में दहशत फैल गई है। अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से डर रहे हैं और प्रशासन से कुत्तों को पकड़वाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो और बड़ी घटना हो सकती है। हापुड़ जिले के गांव हरसिंहपुर में कुत्ता काटने के करीब 20 दिन बाद सात वर्षीय बच्ची के पैर में उसी स्थान पर पस (मवाद) पड़ गया। हापुड़ से मेरठ तक के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती रहने के बाद मंगलवार रात बच्ची ने दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। दो दिन में कुत्ते के काटने से हुई दो मौत से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। हरसिंहपुर निवासी सचिन की सात वर्षीय बेटी ग्रेशी के पैर पर 15 सितंबर को कुत्ते ने काटा था। सचिन बेटी को उसी दिन हापुड़ सीएचसी लेकर गए। यहां रेबीज का पहला इंजेक्शन लगा दिया गया। इसके बाद 18 सितंबर और 22 सितंबर को भी इंजेक्शन लगाया गया। चौथा टीका 13 अक्तूबर को लगाया जाना था। करीब 10 दिन पहले उसके पैर में जिस स्थान पर कुत्ते ने काटा था, वहां संक्रमण फैलना शुरू हो गया। परिजनों ने गांव में ही पट्टी करा दी लेकिन जख्म बढ़ गया और उसमे पस पड़ने लगा। इस कारण ग्रेशी को बुखार आने लगा। परिजनों ने पहले गांव में ही उपचार कराया लेकिन चार दिन पहले ग्रेशी की हालत बिगड़नी शुरू हो गई। परिजनों ने बताया कि बेटी को पहले हापुड़ के निजी अस्पताल में दिखाया। यहां से उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। मेरठ के निजी अस्पतालों में उपचार के बावजूद बेटी की हालत में सुधार नहीं आया। परिजनों ने बताया कि चिकित्सकों ने कुत्ता काटने से समस्या होने की बात कही थी। मंगलवार की रात ग्रेशी की मृत्यु हो गई बता दें कि एक दिन पहले ही गांव निवासी राजकुमार की भी रेबीज की वजह से मौत हो चुकी है। उन्हें गीदड़ ने काटा था और दिल्ली में उपचार के दौरान उनकी मौत हुई। दो दिन के अंदर दो मौतों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों की मांग है कि जिला प्रशासन गांव में खुंखार हो रहे कुत्तों से निजात दिलाए।

बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे अभिभावक

गांव में छोटे बच्चों को स्कूल भेजने में अभिभावक कतरा रहे हैं। कई अभिभावकों ने ई–रिक्शा बच्चों को स्कूल लाने और ले जाने के लिए लगवा दी हैं। छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को या तो अभिभावक खुद लेकर जा रहे हैं या फिर उन्हें स्कूल नहीं भेज रहे हैं।

बच्ची को लगे थे रेबीज के इंजेक्शन

हरसिंहपुर में जिस बच्ची की मृत्यु हुई है, उसे हापुड़ सीएचसी में रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए थे। टीम भेजकर बच्ची की मृत्यु के वास्तविक कारण का पता लगाया जाएगा। कुत्ते और बंदरों के काटने पर लोग सरकारी अस्पतालों में 24 घंटे के अंदर रेबीज का इंजेक्शन लगवाएं।––डॉ.सुनील त्यागी, सीएमओ।

एम्स में ढाई घंटे चली सर्जरी, बच्ची के चेहरे पर लगाए 60 टांके

गांव हरसिंहपुर में कुत्ते के काटने से गंभीर रूप से घायल चार वर्षीय बच्ची की मंगलवार को दिल्ली एम्स में ढाई घंटे तक सर्जरी चली। बच्ची के चेहरे पर 60 टांके आए हैं और पूरा चेहरे पट्टी से ढका गया है। देर रात परिजन उसे गांव लेकर पहुंचे। अब आठ दिन बाद बच्ची को फिर दिल्ली ले जाया जाएगा। मंगलवार को संजय सैनी की चार वर्षीय बेटी अवनी स्कूल जा रही थी।

इसी दौरान कुत्ते ने उसे जमीन पर गिराकर बुरी तरह चेहरा नोंच दिया था। कान, होठ, माथा और चेहरे के अन्य भागों पर गहरे दांत गड़ा दिए थे। हापुड़ से बच्ची को दिल्ली एम्स रेफर किया गया था। पिता संजय सैनी ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब साढ़े 11 बजे से दोपहर ढाई बजे तक बच्ची की सर्जरी की गई। इस दौरान चेहरे पर करीब 60 टांके चिकित्सकों ने लगाए हैं। बुधवार को गांव में बच्ची का हाल जानने के लिए रिश्तेदारों और आस पड़ोस के लोगों का तांता लगा रहा।

आपसी झगड़े में गई जान या बदनामी का इंतकाम

अभिषेक का हत्यारा कौन? जांच में जुटी पुलिस

बरेली,संवाददाता। गांव रजऊ परसपुर निवासी अभिषेक यादव बुधवार रात आठ बजे दोस्तों के साथ रामलीला मंचन देखने गया था। वहां से लौटते समय अभिषेक पर किसी ने चाकू से हमला कर दिया। उस पर चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई।

बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के रजऊ गांव में बुधवार रात हुई अभिषेक यादव की हत्या के बाद पुलिस ने दबिश दी तो छात्रा का पिता घर में ही मिल गया। उसने खुद को बेकसूर बताया, हालांकि उसका आपराधिक इतिहास जानकर पुलिस ने उसे थाने में बैठा लिया है। मेले में थोड़ी देर पहले हुए लड़कों के झगड़े से भी घटना को जोड़कर जांच की जा रही है।

गांव रजऊ परसपुर में बुधवार रात रामलीला मंचन में रावण वध के बाद छेड़खानी के आरोपी अभिषेक यादव पर चाकू से हमला कर दिया गया था। बरेली–सीतापुर हाईवे पर पुलिस बैरियर के पास वारदात हुई। युवक ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। उसके परिजनों ने छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराने वाली छात्रा के परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है।

घर में मिला छात्रा का पिता

अभिषेक पर रिपोर्ट कराने वाली छात्रा के पिता एक ग्रामीण की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी था। वह कुछ समय जेल में भी रहा। पुलिस ने दबिश दी तो वह घर में ही मिल गया। अभिषेक के परिवार ने उस पर हत्या का आरोप लगाया था, लेकिन उसने घर में सोने की बात कहते हुए वारदात से अनभिज्ञता जाहिर की। एसपी उत्तरी गांव पहुंचे तो पता लगा कि कुछ देर पहले मगनापुर व अंधरपुरा गांव के लड़के मेले में झगड़ा कर रहे थे। पुलिस उन लड़कों की भी तलाश कर रही है। संदेह है कि कहीं किसी और ने तो अभिषेक की हत्या कर रंजिश नहीं निकाल ली। सूत्र बताते हैं कि मेले में सुरक्षा के लिहाज से पुलिस काफी कम थी। जो पुलिसकर्मी थे, वह भी लड़कों की हरकतों को अनदेखा कर रहे थे।

छात्रा ने छोड़ा था कॉलेज जाना, अकेली गई थी रिपोर्ट कराने

पिछले साल 11 नवंबर को एक छात्रा ने अभिषेक यादव के खिलाफ छेड़खानी व उसके पिता रामकिशन फौजी के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तब छात्रा पैदल ही चौकी गई थी और फिर अकेले ही थाने जाकर तहरीर दी थी। छात्रा ने आरोप लगाया था कि वह दूसरे कस्बे में पढ़ाई करने जाती है तो अभिषेक उसे रास्ते में घेरकर छेड़खानी करता है। इससे परेशान होकर उसने कॉलेज जाना छोड़ दिया है। छात्रा की रिपोर्ट लिखकर पुलिस ने अभिषेक को जेल भिजवाया था। कुछ महीने बाद वह जेल से छूटकर आ गया था।

फैक्टरी में काम करता था अभिषेक

अभिषेक यादव के पिता रामकिशन सेना से सेवानिवृत्त हैं और दूध का व्यवसाय करते हैं। वह गांव से काफी मात्रा में दूध लेकर गाड़ी से बरेली जाकर डेयरी में सप्लाई देते हैं। चार भाइयों में अभिषेक तीसरे नंबर का था। वह पास की एक फैक्टरी में दैनिक वेतनभोगी के रूप में काम करता था।

शादी के बाद पति गया कनाडा, दहेज में मांगे एक करोड़ रुपये और तीन एकड़ जमीन

बरेली,संवाददाता। बरेली में एक युवती ने बारादरी थाने में अपने पति और ससुरालवालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप लगाया कि शादी के बाद ही दहेज के लिए उसका उत्पीड़न किया गया। पति ने कनाडा में बसने के लिए एक करोड़ रुपये मांगे। तीन एकड़ जमीन की भी मांग की है। बरेली में वेबसाइट के जरिये हुई शादी में कुछ महीने बाद ही खटास आ गई। शादी के कुछ दिनों बाद ही युवक कनाडा चला गया। युवती का आरोप है कि कनाडा में बसने की बात कहकर उससे एक करोड़ रुपये और तीन एकड़ जमीन की मांग की गई। पीड़िता ने बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। लखीमपुर खीरी के लिनेस फार्म की निवासी इंदु कौर इन दिनों बारादरी थाना क्षेत्र के महेंद्रनगर फेस एक में रहती हैं।

इंदु ने बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय को बताया कि मैट्रिमोनियल बेवसाइट के जरिये उनका परिचय मुंबई के हकली केल्या वेद, अंधेरी ईस्ट निवासी हरदीप आनंद से हुआ। आपसी सहमति के बाद 10 फरवरी को दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। जनकपुरी गुरुद्वारे में सिख रीति–रिवाज से भी उनका विवाह हुआ।

मीट खाने का बनाया दबाव

इंदु ने बताया कि शाकाहारी परिवार बताकर विवाह किया गया था, लेकिन शादी के बाद हरदीप मीट पकाने और खाने का दबाव बनाने लगा। सात मार्च को वह कनाडा चला गया। वह वहां बस चलाता है। इसके बाद ससुराल वाले रुपये और जमीन के लिए उसे परेशान करने लगे। उसे कुछ दिन के लिए कनाडा भी भेजा, लेकिन उत्पीड़न जारी रहा। उसने मायके भेजने की गुहार लगाई तो उसे फ्लाइट से बरेली भेज दिया गया। तब से वह माता–पिता के साथ रह रही है। सास–ससुर भी गए कनाडा–इंदु का आरोप है कि उसके सास–ससुर भी अब कनाडा चले गए हैं। वहां से कॉल पर उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहेगा कोई भी छात्र

सीएम योगी बोले–हर एक बच्चे में समाज को बदलने की क्षमता

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा, बाबा साहब ने कहा था कि पढ़–लिखकर ही हम स्वावलंबी बन सकते हैं और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने छात्र–छात्राओं को बड़ी सौगात दी। दशमोत्तर व पूर्वदशम छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ 10 लाख 28 हजार 205 विद्यार्थियों को 300 करोड़ की छात्रवृत्ति राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में प्रेषित की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, इससे पहले भी विजयादशमी के अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई थी। पहले छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया में भेदभाव, विलंब और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं आम थीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में टेक्नोलॉजी आधारित डीबीटी प्रणाली लागू होने से अब पात्र छात्रों के खाते में राशि सीधे पहुंच रही है। अब छात्रवृत्ति वर्ष में एक बार नहीं बल्कि दो चरणों में (अक्टूबर और जनवरी में) दी जाएगी, ताकि छात्रों को समय पर सहायता मिले।

वर्ष 2016–17 तक जहां केवल 8.64 लाख विद्यार्थी छात्रवृत्ति से लाभान्वित होते थे, वहीं अब यह संख्या 62 लाख तक पहुंच गई है।

पारदर्शी और तकनीक आधारित व्यवस्था

सीएम योगी ने कहा, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। गत वर्ष जिन विद्यार्थियों को संस्थानों की लापरवाही या पोर्टल की त्रुटियों के कारण छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई थी, उनके लिए पोर्टल को पुनः सक्रिय किया गया है।

जैसे ही डेटा एंट्री पूरी होगी, एक विशेष समारोह में उन्हें भी डीबीटी के माध्यम से राशि दी जाएगी। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे, हर छात्र अपने सपनों की उड़ान भर सके।

शिक्षा ही स्वावलंबन का मार्ग

सीएम योगी ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा, बाबा साहब ने कहा था कि पढ़–लिखकर ही हम स्वावलंबी बन सकते हैं और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी बाबा साहब ने शिक्षा के बल पर अपनी राह बनाई।

आज हमारे पास संसाधनों की कमी नहीं, आवश्यकता है मेहनत, अनुशासन और लगन की। पिछले आठ वर्षों में 4 करोड़ 27 लाख से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया गया है।

2016–17 से पहले की सरकारों ने अनुसूचित जाति और जनजाति सीएम योगी ने कहा,छात्रों की छात्रवृत्ति रोक दी थी, लेकिन हमारी सरकार ने न केवल वह राशि जारी की बल्कि दो वर्षों की छात्रवृत्ति एक साथ दी। हमारा स्पष्ट संकल्प है कि किसी भी विद्यार्थी के साथ भेदभाव नहीं होगा। ईमानदारी, पारदर्शिता और समान अवसर हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

शिक्षा–सशक्तिकरण की नई पहलें

सीएम योगी ने कहा,प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में शिक्षा–सशक्तिकरण के लिए कई नई पहलें की गई हैं।

अटल आवासीय विद्यालय के माध्यम से सभी 18 कमिश्नरी में विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जहां श्रमिक परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, आवास और भोजन की सुविधा मिल रही है। आश्रम पद्धति विद्यालय के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, आवास और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

कस्तूरबा बालिका विद्यालय के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग की बालिकाओं को इंटरमीडिएट स्तर तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। अभ्युदय कोचिंग

योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी का अवसर मिल रहा है, जिससे अब छात्रों को बाहर नहीं जाना पड़ता।

सामाजिक सुरक्षा की दिशा में कदम

सीएम योगी ने कहा, समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रदेश के 1 करोड़ 5 लाख परिवारों को 12,000 वार्षिक पेंशन डीबीटी के जरिए दी जा रही है। पहले 300 मासिक पेंशन छह महीने में दी जाती थी, जिसमें बिचौलिये हिस्सा खा जाते थे। हमारी सरकार ने इसे बढ़ाकर अब 1,000 प्रति माह किया है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब तक 4 लाख से अधिक बेटियों के विवाह कराए जा चुके हैं। प्रत्येक विवाह हेतु 1 लाख की सहायता राशि दी जाती है।

गरीबी उन्मूलन में ऐतिहासिक उपलब्धि

सीएम योगी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है।

देश में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं,जबकि उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का शताब्दी संकल्प 2047 हमें प्रेरित करता है कि शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक न्याय के माध्यम से हम नवभारत के निर्माण में सहभागी बनें।

हर छात्र में है समाज बदलने की क्षमता

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल अवश्य जाएं, नियमित पढ़ाई करें, मेहनत करने की आदत डालें। आपमें नैसर्गिक प्रतिभा है। यदि आप लगन और परिश्रम से अध्ययन करेंगे, तो बाबा साहब का सपना साकार कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने सभी छात्रों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी को आश्वस्त करता हूं कि अन्य पात्र विद्यार्थियों को भी यही लाभ समयबद्ध रूप से मिलेगा,ताकि कोई भी छात्र या छात्रा शिक्षा से वंचित न रहे।

इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड, अल्पसंख्यक समाज कल्याण के राज्य मंत्री मो. दानिश आजाद अंसारी, अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण एल वेंकटेश्वर लू, प्रमुख सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग सुभाष चंद्र शर्मा, प्रमुख सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग संयुक्ता समद्दार और अनुसूचित जाति–जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत मौजूद रहे।

छात्र–छात्राओं ने छात्रवृत्ति के लिए सीएम योगी का जताया आभार

मुख्यमंत्री के समक्ष छात्र और छात्राओं ने छात्रवृत्ति वितरण पहल के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। कक्षा 9 की छात्रा अंशिका वर्मा ने कहा कि "मुझे छात्रवृत्ति प्राप्त कर अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। मैं ऐसे राज्य में रहती हूं, जहां हमारे मुख्यमंत्री बच्चों के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य का पूरा ध्यान रखते हैं।

यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि यह छात्रवृत्ति न केवल आर्थिक सहयोग का माध्यम है, बल्कि छात्रों के भविष्य को सशक्त बनाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। मैं इस राशि का सदुपयोग अपने भविष्य को बेहतर बनाने में करूंगी। हम सभी विद्यार्थियों पर विश्वास जताने और हमारे विकास के लिए इतनी संवेदनशील नीति बनाने हेतु मैं मुख्यमंत्री जी की आभारी हूं।

वहीं, राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज के छात्र ऋषभ देव मिश्रा ने कहा कि आज का यह अवसर मेरे लिए अत्यंत खुशी और गर्व का क्षण है।

मुख्यमंत्री जी के माध्यम से यह सम्मान प्राप्त होना मेरे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है। मैं उत्तर प्रदेश सरकार का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे जैसे विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति जैसी महत्वपूर्ण पहल की। इस सहायता से हमें न केवल आर्थिक सहयोग मिला है, बल्कि आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी प्राप्त हुआ है। मैं अपने माता–पिता और शिक्षकों का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग से मैं अपनी पढ़ाई पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ जारी रखूंगा।

जेल में मांगता है काली शर्ट...रात में नहीं आती नींद, खुद को बताता है शनि का पुजारी, पढ़ाई कर रहा किलर रावण

गोरखपुर,संवाददाता। झंगहा इलाके में ही दादा–दादी समेत तीन की हत्या करने वाले रामदयाल मौर्या का स्वभाव जेल में पूरी तरह बदल गया है। जेल में रावण के नाम से चर्चित रामदयाल अब बंदियों के रिकॉर्ड व्यवस्थित कर रहा है। मानसिक रूप से विक्षिप्त रावण पर ग्रामीण भूत–प्रेत का साया बताते थे लेकिन जेल में मनोचिकित्सक के इलाज के बाद वह सामान्य हो गया है। गोरखपुर के झंगहा इलाके में पांच माह में पांच महिलाओं पर जानलेवा हमला और एक की हत्या करने का आरोपी साइको किलर अजय निषाद इस समय जेल में बंद है। अब जेल में वह एक सामान्य बंदी की तरह रह रहा है और उसका व्यवहार भी बदला है। हालांकि, अब भी रात में उसे रात में नींद नहीं आती और पहनने के लिए काली शर्ट ही मांगता है। जेल में उसे लेकर कई तरह की चर्चाएं होती हैं, दूसरे बंदी उसे बहुत शातिर समझते हैं।

हालांकि, जेल में उसने कोई वारदात नहीं की। जेल प्रशासन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि वह चुपचाप अपनी बैरक में पड़ा रहता है। रात में अक्सर उसे नींद नहीं आती है और बैरक में बैठा रहता है। नवंबर 2024 में पुलिस ने झंगहा इलाके के राजधानी टोला मंगलपुर निवासी अजय निषाद को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने बताया था कि वर्ष 2022 में उसकी महिला मित्र ने दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था, जिसके बाद वह जेल गया था।

वारदात के बाद निकल जाता था सूरत

जेल से छूटने के बाद चोरी की घटना को अंजाम देते समय पहली बार 30 जुलाई को झंगहा के सहसड़ाव गांव में एक महिला के सिर और चेहरे पर हमला किया था। इसके बाद उसे महिलाओं को मारकर खून देखना अच्छा लगने लगा। वह सूरत में पेंट पॉलिश का काम भी करता था। वारदात के बाद वह सूरत निकल जाता था।

काली शर्ट पहनकर, नंगे पांव करता था वारदात

पुलिस से पूछताछ में अजय ने बताया था कि वह शनिदेव की पूजा करता है इसीलिए हमेशा काले वस्त्र पहनता है। भागने में आसानी हो इसलिए नंगे पांव वारदात को अंजाम देने जाता था। यही वजह है कि जेल भेजे जाने के बाद भी काले कपड़े ही पहनता है। परिजनों से भी काले कपड़े ही लाने की मांग करता है।

जेल में पढ़ाई कर रहा रावण

झंगहा इलाके में ही दादा–दादी समेत तीन की हत्या करने वाले रामदयाल मौर्या का स्वभाव जेल में पूरी तरह बदल गया है। जेल में रावण के नाम से चर्चित रामदयाल अब बंदियों के रिकॉर्ड व्यवस्थित कर रहा है। मानसिक रूप से विक्षिप्त रावण पर ग्रामीण भूत–प्रेत का साया बताते थे लेकिन जेल में मनोचिकित्सक के इलाज के बाद वह सामान्य हो गया है।

जेल प्रशासन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रावण अब सुबह उठने के बाद पूजा–पाठ करता है। वह किताबें मांगकर पढ़ता है। जेल में आने–जाने वाले कैदियों का रिकॉर्ड भी देख रहा है। बड़ों को देखते ही पैर छूता है। जेल से छूटने के लिए अब भगवान राम की पूजा कर रहा है। कुछ समय पहले ही उसने जेल अधीक्षक से रामायण और गीता मांगी थी, ताकि वह अपने पाप का प्रायश्चित कर सके। जेल में मनोचिकित्सक उसका इलाज भी कर रहे हैं। अब उसका व्यवहार सामान्य होने लगा है।

जेल में बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य की जांच कराई जाती है। जरूरत होने पर इलाज भी कराया जाता है। इलाज के बाद रामदयाल का व्यवहार बदला है। अजय का व्यवहार भी सामान्य हो गया है।– **दिलीप पांडेय, जेल अधीक्षक**

पीएम मोदी ने मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर के किए दर्शन

प्रधानमंत्री ने मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में पूजा की

विशाखापत्तनम,एजेंसी। प्रधानमंत्री आज कुरनूल भी जाएंगे और बिजली, रक्षा, रेलवे और पेट्रोलियम जैसे क्षेत्रों में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री 'सुपर जीएसटी – सुपर बचत' नामक एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे, जिसमें लोगों को जीएसटी सुधारों के लाभों के बारे में बताया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को आंध्र प्रदेश दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री ने नंदयाल जिले में श्रीशैलम स्थित श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा–अर्चना की। भाजपा नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पंचमुरलु (गाय के दूध, गाय के दूध से बनी दही, गाय के घी, शहद और चीनी से बना एक पवित्र मिश्रण) से भगवान का रुद्राभिषेक किया। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण उनके साथ रहे। आंध्र प्रदेश का मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की एक अनूठी विशेषता यह है कि एक ही परिसर में एक ज्योतिर्लिंग और एक शक्तिपीठ का सह–अस्तित्व है, जो इसे पूरे देश में अपनी तरह का एक अनूठा मंदिर बनाता है।

हरिओम के परिजनों से मिले राहुल गांधी

बोले- सरकार ने परिवार को बंधक बना रखा है, ये बात भी कही

कानपुर,संवाददाता। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फतेहपुर में हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। रायबरेली के ऊंचाहार में भीड़ ने चोर समझकर फतेहपुर के हरिओम को पीट–पीटकर मार डाला था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी शुक्रवार सुबह चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से फतेहपुर में हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे। रायबरेली के ऊंचाहार में भीड़ का शिकार हुए हरिओम वाल्मीकि के परिवार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने से इनकार कर दिया। इस पर पुलिस ने राहुल गांधी का काफिला रोक लिया था। हालांकि बाद में परिवार ने मिलने के लिए हामी भरी। उसके बाद प्रशासन ने राहुल गांधी को मुलाकात की अनुमति दी। राहुल गांधी ने परिवार से काफी देर तक बातचीत की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दो अक्तूबर को रायबरेली में कथित तौर पर पीट–पीटकर हत्या किए गए दलित युवक हरिओम वाल्मीकि के परिवार से मुलाकात पर कहा, "कुछ दिन पहले दलित अफसर ने आत्महत्या की थी। मैं वहां गया और आज मैं यहां आया हूं।

हमारे बेटे–हमारे भाई को मारा गया है

अपराध इस परिवार ने नहीं किया, अपराध इनके खिलाफ किया गया है और लग ऐसा रहा है कि यह लोग अपराधी हैं। इन्हें घर में बंद कर रखा है, इन्हें डराया जा रहा है। ये लोग केवल न्याय मांग रहे हैं। हमारे बेटे, हमारे भाई को मारा गया है। उसकी हत्या की गई है। हम केवल न्याय मांग रहे हैं।

जो अपराधी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई कीजिए

पूरे देश में दलितों के खिलाफ अत्याचार, हत्याएं, दुष्कर्म जैसी घटनाएं हो रही हैं। मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं, इन्हें न्याय दीजिए, इनका सम्मान कीजिए। जो अपराधी हैं उनके खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई कीजिए और उनकी रक्षा करने का प्रयास मत कीजिए...(पीड़ित परिवार) मुझ से मिलें, मुझ से ना मिलें यह जरूरी नहीं है, बल्कि जरूरी बात यह है कि ये लोग अपराधी नहीं हैं। इन्होंने कोई गलती नहीं की है... अपराधी दूसरे लोग हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मैंने आज यहां आकर इनसे बातचीत की, इनका दर्द और दुख सुना और कांग्रेस पार्टी और मेरा प्रयास है कि हम जो मदद कर सकते हैं हम करेंगे।

69197 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की होगी भर्ती

मुख्य सचिव ने बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा में निर्देश दिए और कहा कि भर्ती की समय सारिणी तय करें। प्रत्येक चरण के लिए समय सीमा भी निर्धारित करें।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलता है 8000 मानदेय

बता दें कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने 8000 रुपये मानदेय मिलता है। इसमें 6000 मानदेय और 2000 इंसेटिव है। इसी तरह सहायिकाओं को भी 4000 रुपए मानदेय मिलता है, इसमें 3000 रुपए मानदेय और 1000 रुपये इंसेटिव है।

लखनऊ,संवाददाता। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के 69197 पदों पर जल्द भर्ती शुरू होगी। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के 7952 और सहायिकाओं के 61254 पद शामिल हैं। मुख्य सचिव ने बृहस्पतिवार को विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भर्ती की समय सारिणी तय करके कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने जिलेवार भर्ती के लिए डीएम की अध्यक्षता में समिति गठित करने के बाद ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। बैठक में विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी ने बताया कि प्रदेश में अभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के रिक्त 69197 पदों में से 2123 पहले से खाली हैं, जबकि शेष पद 306 नए बने आंगनबाड़ी केंद्रों से संबंधित हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्वीकृत 23697 आंगनबाड़ी केंद्रों में बन रही पोषण वाटिका, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, एलईडी स्क्रीन तथा ईसीसीई मैटेरियल जैसे कामों को जल्द पूरा करते हुए सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में विकसित करें। उन्होंने कहा कि पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत सभी जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिलाया जाए। मुख्य सचिव ने रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष से संबंधित लंबित प्रकरणों का इस महीने के अंत कर निस्तारित करने को कहा।

साथ ही अनावश्यक रूप से प्रकरणों को लंबित रखने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

यूपी में लाइसेंस वापस कर रही कफ सिरप बनाने वाली कंपनिया

लखनऊ,संवाददाता

कंपनियों का दावा है कि वे कई साल से सिरप नहीं बना रही हैं। उनकी यूनिटों में सिरप बनाने संबंधी कच्चा माल मिला है। इससे आशंका है कि ये कंपनियां घालमेल कर रही हैं। उत्तर प्रदेश में कफ सिरप बनाने वाली कंपनियां लाइसेंस समर्पण कर रही हैं। इसकी मूल वजह विभागीय कड़ाई, मानकों में बदलाव की तैयारी और दिल्ली व हरियाणा के कफ सिरप के मूल्य कम होना बताए जा रहे हैं। सप्ताहभर में चार कंपनियों ने लाइसेंस समर्पण संबंधी आवेदन किया है। प्रदेश में कफ सिरप बनाने वाली 37 कंपनियां हैं। इसमें 17 सक्रिय रूप से सिरप निर्माण में लगी हैं, जबकि अन्य का कहना है कि वे सिरप निर्माण नहीं कर रही हैं। पिछले दिनों राजस्थान और मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) की टीम ने सभी कंपनियों की जांच की। जांच के दौरान व्यापक तौर पर कमियां पाई गई हैं।

अटरिया–हिन्द हॉस्पिटल के पास दर्दनाक हादसा, चार की मौत

सीतापुर में हुए एक दर्दनाक हादसे में मरीज को लेकर अस्पताल जा रही एंबुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई

सीतापुर जिले के अटरिया के हिंद अस्पताल के पास शुक्रवार सुबह एक निजी एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में कुल चार लोगों की मौत हो गई। थानाध्यक्ष उमाकांत शुक्ला ने बताया कि एम्बुलेंस मरीज लेकर देहरादून से बनारस जा रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक निजी एम्बुलेंस मरीज को इलाज के लिए बनारस लेकर जा रही थी। हिन्द अस्पताल के पास नेशनल हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सड़क किनारे खड़ी अज्ञात 40वर्षीय महिला की मौत हो गई। वहीं, महिला के साथ रोड किनारे खड़ी बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। बच्ची का इलाज हिंद अस्पताल में चल रहा है। हादसे में एम्बुलेंस सवार तीन लोगों व सड़क किनारे खड़ी एक अज्ञात महिला की मौत हुई है। मृतकों में एम्बुलेंस चालक गुरमीत (40) , एम्बुलेंस सवार मरीज विशाल पांडेय (48), व एक अन्य शामिल हैं।

अनियंत्रित होकर पलटी एंबुलेंस

हादसे के मृतकों की सूची

1. मरीज विशाल पांडेय (40) निवासी देहरादून –यह कमर में गम्भीर चोट का इलाज कराने बनारस जा रहे थे।
2. हिन्द गेट के सामने खड़ी महिला (करीब 40)
3. एम्बुलेंस सवार एक व्यक्ति नाम पता अज्ञात (करीब 45 वर्ष)
4. एम्बुलेंस चालक– गुरमीत (23)– निवासी हरिद्वार

घायलों का विवरण

1. दिव्यांशु पांडेय (42) निवासी कैमूर, बिहार । यह मरीज के भाई हैं।
2. हिन्द गेट के सामने महिला के साथ खड़ी बच्ची (करीब 12 वर्ष)।

'राइज एंड फाल'

फिनाले में भोजपुरी स्टार पवन सिंह लगाएंगे तड़का

धनश्री वर्मा ओति नेगी संग किया रोमांटिक डांस

एंटरटेनमेंट डेस्क। रियलिटी शो राइज एंड फॉल के ग्रैंड फिनाले में पवन सिंह धमाका करने वाले हैं। शो के प्रोमो में अभिनेता धनश्री और आकृति नेगी संग डांस करते दिख रहे हैं। राइज एंड फॉल का ग्रैंड फिनाले बेहद ही खास होने वाला है। इस शो में एक बार फिर से भोजपुरी स्टार भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह आने वाले हैं, जिसका नया प्रोमो भी सामने आया है। धनश्री वर्मा और आकृति नेगी के साथ अभिनेता के साथ जोरदार ठुमके लगाती दिख रही हैं। आइए देखें प्रोमो।

पवन सिंह का नाम सुन खुशी से झूम उठीं धनश्री

एमएक्स प्लेयर पर राइज एंड फॉल के ग्रैंड फिनाले का प्रोमो जारी किया गया है, जिसमें भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह वापसी कर रहे हैं। प्रोमो में, धनश्री और आकृति पारंपरिक परिधानों में सजी–धजी नजर आ रही हैं। फिर आगे दिखता है कि उन्हें पवन सिंह की आवाज सुनाई देती है, इसके बाद धनश्री–आकृति काफी उत्साहित हो जाती हैं। बाद में वे भोजपुरी सुपरस्टार के साथ एक शानदार डांस परफॉर्मेंस देती नजर आती हैं। राइज एंड फॉल का ग्रैंड फिनाले 17 अक्टूबर को प्रसारित किया जाएगा।

धनश्री संग लगाए जोरदार ठुमके

इस आगामी एपिसोड के कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें पवन सिंह को धनश्री और आकृति के साथ जोरदार ठुमके लगाते देखा जा सकता है। इन तीनों का रोमांटिक और जबरदस्त डांस देख सभी प्रतियोगी एंजाय कर रहे हैं।

कौन बनेगा विजेता?

कीकू शारदा और आदित्य नारायण भी अब दौड़ से बाहर हो गए हैं। शेष प्रतियोगी, आरुष भोला, बाली, मनीषा रानी, आकृति नेगी, और नयनदीप रक्षित वर्कर्स के रूप में, और अर्जुन बिजलानी, धनश्री वर्मा और अरबाज पटेल रूलर्स के रूप में अंतिम चरण के लिए तैयारी कर रहे हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन विजेता बनता है।

आम्रपाली दुबे ने रिलीज किया दीपावली

फेस्टिवल सान्ग

भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे ने दिवाली के शुभ अवसर अपना एक नया सॉन्ग रिलीज कर दिया है. जिसे फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं।

दिल्ली,एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के स्टार किसी भी मामले में पीछे नहीं रहते. बात चाहे नवरात्रि के त्योहार की हो या छठ के पर्व की, हर फेस्टिवल पर अपना टच जरूर देते हैं. अब दीपावली के मौके पर आम्रपाली दुबे ने अपना नया सॉन्ग रिलीज कर दिया है.

आम्रपाली दुबे का नया सॉन्ग रिलीज

आम्रपाली का नया सॉन्ग 'आई है दिवाली' यानी आज ही रिलीज हुआ है, जिसमें एक्ट्रेस अपने परिवार के साथ दीपावली मना रही हैं. इतना ही नहीं, उनके साथ खुद साक्षात यमराज दीपावली मना रहे हैं. सॉन्ग बहुत ही पारिवारिक है,

जिसमें आम्रपाली अपने ऑनस्क्रीन पति विक्रांत सिंह के साथ दीपावली के दीए जला रही हैं. एक्ट्रेस का ये नया सॉन्ग एकदम फेस्टिवल वाइब दे रहा है, जिसे आलोक कुमार और प्रियंका सिंह ने अपनी मधुर आवाज में गाया है और सॉन्ग के लिरिक्स शेखर मधुर ने लिखे हैं. फैंस को भी ये सॉन्ग काफी पसंद आ रहा है.

आम्रपाली की अपकमिंग फिल्म

बता दें कि ये सॉन्ग आम्रपाली की अपकमिंग फिल्म 'सास बहू और यमराज' का है. इस फिल्म के बाकी सॉन्ग 'राखी में बहना का प्यार भैया' भी रिलीज हो चुके हैं, लेकिन अभी तक फिल्म को रिलीज नहीं किया गया है.

दोनों ही सॉन्ग को अब तक फैंस की तरफ से अच्छा रिस्पांस मिला है, लेकिन फैंस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं. फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म में आम्रपाली का कोई भाई नहीं है,

तो वो उनके घर आए मौत के दूत यमराज को अपनी दुख भरी कहानी सुनाकर अपना भाई बना देती है.

फिल्म की कास्ट

फिल्म की कास्ट की बात करें तो फिल्म में विक्रांत सिंह, रितु चौहान, अनुषा शर्मा, अयाज खान, श्रद्धा नवल, विद्या सिंह, आशुतोष तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, शनि शर्मा, साहिल सिद्दीकी, और दीप्ति तिवारी जैसे बड़े स्टार दिखने वाले हैं।

तेजस्वी प्रकाश ने बायफ्रेंड की एक्स गर्लफ्रेंड पर कसा तंज

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के लिए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने एक पोस्ट साझा किया जिसके कैप्शन ने लोगों का ध्यान खींच लिया। टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर जोड़ी तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा हमेशा किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती है। इस बार चर्चा में हैं तेजस्वी का इंस्टाग्राम पोस्ट, जो उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के जन्मदिन पर शेयर किया। लेकिन इस रोमांटिक पोस्ट में भी तेजस्वी ने करण की एक्स गर्लफ्रेंड पर तंज कस दिया है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं।

अनुषा दांडेकर ने रिश्ते पर किया था दावा

दरअसल, हाल ही में अनुषा दांडेकर ने अपने यूट्यूब पॉडकास्ट 'अनवेरिफाइड' में करण के साथ टूट चुके रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए थे। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने बताया कि उनके पूर्व साथी ने उनके साथ धोखा किया था और डेटिंग ऐप्स पर दूसरी लड़कियों से बात की थी। अनुषा ने कहा, 'हम दोनों एक डेटिंग ऐप के कैंपेन का चेहरा थे, लेकिन उसी ऐप का इस्तेमाल उसने लड़कियों से मिलने के लिए किया। बाद में मुझे पता चला कि वो मुंबई की कई लड़कियों के साथ अफेयर में था।'

करण और अनुषा का रिश्ता

गौरतलब है कि करण और अनुषा का रिश्ता कई वर्षों तक चर्चा में रहा था, लेकिन 2020 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद करण की मुलाकात तेजस्वी प्रकाश से 'बिग बॉस 15' के सेट पर हुई और वहीं से दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई। दोनों अब टेलीविज़न की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक हैं। बता दें अनुषा के खुलासों के बाद करण ने भी एक इंस्टाग्राम नोट में प्रतिक्रिया दी थी।

अनुषा दांडेकर पर तेजस्वी का तंज

अनुषा के इन बयानों ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या करण ने उन्हें चीट किया था। इसी बीच तेजस्वी ने करण के जन्मदिन पर जो कैप्शन लिखा, उसने सबका ध्यान खींच लिया। उन्होंने लिखा, 'अब वो सिर्फ एक ही राइट स्वाइप करता है– मेरे लिए। ड्रीम मैन को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं।'

करण ने किया मजेदार कमेंट

तेजस्वी प्रकाश के इस कैप्शन को पढ़ने के बाद जहां एक तरफ लोगों ने इसे अनुषा के राइट स्वाइप वाले बयान से जोड़ा तो वहीं बॉयफ्रेंड करण ने भी मजेदार अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी। करण ने तेजस्वी के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा– दीदी को क्यों तोड़ा?। करण के इस कमेंट को पढ़ने के बाद फैंस हंसते हुए नजर आए।

मिस वर्ल्ड खिताब के चक्कर में

Aishwarya Rai ने ठुकरा दी थी 90 की ब्लाकबस्टर, चमक गई थी इस एक्ट्रेस की किस्मत

एंटरटेनमेंट डेस्क। हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री के तौर पर जाना जाता है। एक्ट्रेस बनने से पहले एक पेशेवर मॉडल रही हैं, जिसके तहत 1994 में उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था। मिस वर्ल्ड बनने के दौरान ऐश को 90 की एक ब्लॉकबस्टर फिल्म का ऑफर मिला था। लेकिन इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट को गंभीर तौर पर लेने वालीं ऐश ने उस फिल्म के ऑफर को ठुकरा दिया। जिसके बाद दूसरी एक्ट्रेस के हाथ वह फिल्म लगी और हुआ ये कि उस हीरोइन की किस्मत चमक गई। वह ऐश्वर्या से बड़ी सुपरस्टार बन गई है।

ऐश्वर्या ने ठुकराया था ये इस मूवी का ऑफर

बतौर मॉडल ऐश्वर्या राय का करियर काफी हाईलाइट रहा। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद और उससे पहले उन्हें कई फिल्में के ऑफर मिले, लेकिन सभी को एक साइड कर दिया और सही समय पर एक्टिंग डेब्यू किया। जिन फिल्मों को ऐश ने रिजेक्ट किया, उनमें से निर्देशक राजीव राय की एक मूवी मोहरा थी। आईएमडीबी की रिपोर्ट के अनुसार साल 1994 में आई अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी स्टारर इस फिल्म का ऑफर ऐश्वर्या राय को मिला था। लेकिन मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के चलते उन्होंने इसके लिए मना कर दिया और बाद में रवीना टंडन के हाथ ये मूवी लगी। मोहरा रवीना के एक्टिंग करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई और इस फिल्म के सफल होने के बाद वह इंडस्ट्री में स्टार बन गई।

फिल्म मोहरा उस साल की सबसे सक्सेसफुल मूवीज में शुमार हुई है। सलमान खान की हम आपके हैं कौन के बाद अक्की और सुनील की मोहरा 31 साल पहले बॉक्स ऑफिस पर सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बनी थी।

साल 1994 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। इस दौरान उन्होंने हिंदी सिनेमा की एक ब्लॉकबस्टर मूवी के ऑफर को भी ठुकरा दिया। जिसके बाद दूसरी अभिनेत्री के हाथ वो मूवी लगी और रातोंरात वह बी टाउन की नई सुपरस्टार बन गई थीं।

ऐश्वर्या राय बच्चन 1994 में बनी थी मिस वर्ल्ड। अभिनेत्री ने ठुकराया इस ब्लाकबस्टर का आफर। दूसरे एक्ट्रेस उस फिल्म से बन गई सुपरस्टार।

चयनकर्ताओं को फिटनेस के बारे में अपडेट करना मेरा काम नहीं-शमी

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से उन्हें बाहर रखने के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए उनकी उपलब्धता साबित करती है कि वह फिट हैं और इस बारे में चयन समिति को अपडेट करना उनका काम नहीं है। शमी ने आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और वरुण चक्रवर्ती के साथ देश के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। शमी टखने और घुटने की बार बार होने वाली चोटों से जूझ रहे हैं जिसके लिए 2023 विश्व कप के बाद उनकी सर्जरी हुई थी। पैंतीस वर्षीय शमी पिछले कुछ समय से भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह भारत के लिए अंतिम बार जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेले थे। ईडन गार्डन्स में उत्तराखंड के खिलाफ बंगाल के पहले रणजी मैच की पूर्व संध्या पर शमी ने कहा मैंने पहले भी कहा है कि चयन मेरे हाथ में नहीं है। अगर फिटनेस का कोई मुद्दा होता तो मैं यहां बंगाल के लिए नहीं खेल रहा होता। ऑस्ट्रेलिया के 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे दौरे के लिए भारत की सीमित ओवरों की टीम में जगह नहीं मिलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मुझे इस पर बात करके विवाद खड़ा करने की जरूरत नहीं है। अगर मैं चार दिवसीय (रणजी ट्रॉफी) खेल सकता हूं तो मैं 50 ओवरों का क्रिकेट भी खेल सकता हूं। शमी ने कहा कि चयनकर्ताओं को अपनी फिटनेस की जानकारी देना उनका काम नहीं है।

आइसलैंड ने फ्रांस का विजय अभियान रोका

रेक्जाविक। फ्रांस ने आइसलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर आगामी फुटबॉल विश्व कप में स्थान सुरक्षित करने का मौका गंवा दिया। फ्रांस ने इससे पहले लगातार तीन मैच में जीत हासिल की थी। दो बार की विश्व चैंपियन टीम अगर आइसलैंड को हरा देती और यूक्रेन की टीम अजरबैजान को हराने में नाकाम रहती, तो फ्रांस की टीम विश्व कप में जगह पक्की कर सकती थी। यूक्रेन ने 2-1 से जीत दर्ज की। विश्व कप 2022 का उपविजेता फ्रांस अभी भी ग्रुप डी में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जो यूक्रेन से तीन अंक अधिक हैं। फ्रांस की टीम कप्तान किलियन एमबाप्पे के बिना मैदान पर उतरी थी, जिन्होंने अजरबैजान के खिलाफ टीम की 3-0 की जीत में गोल किया था, लेकिन दाएं टखने में चोट के कारण वह लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे। आइसलैंड ने 39वें मिनट में विक्टर पाल्सन के गोल से बढ़त बना ली, लेकिन मेहमान टीम ने 63वें मिनट में क्रिस्टोफर नकुंकू और 68वें मिनट में जीन-फिलिप माटेटा के गोल से वापसी की।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिये आज रवाना होगी टीम इंडिया

नयी दिल्ली। टीम इंडिया को 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी-20 सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम 15 अक्टूबर को दो बैच में दिल्ली से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। एक बैच सुबह और एक शाम को उड़ान भरेगा। विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया दौर पर जाने के लिए भारत पहुंच गए हैं। विराट मंगलवार की सुबह लंदन से दिल्ली पहुंचे। विराट ने आखिरी वनडे मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ इसी साल 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। उन्होंने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही रिटायरमेंट ले लिया है। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 वनडे और 5 टी-20 खेलेगी। 19 अक्टूबर को पहला वनडे पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड में और तीसरा 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा। इसके बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज होगी। टी-20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। **भारत की वनडे टीम वनडे**-शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।

रोहित और कोहली के भविष्य पर गंभीर ने साधी चुप्पी

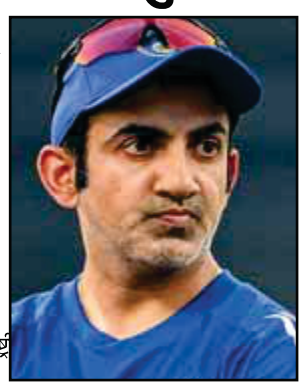

नयी दिल्ली। विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप कप खेलने के इच्छुक हैं लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया और चुप्पी साध ली। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और 'वर्तमान में रहना जरूरी है'। शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा 50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल श्रृंखला खेले। ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा। भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। गंभीर से जब पूछा गया कि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ी में किन गुणों को देखते हैं तो उन्होंने कहा इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है। उन्होंने कहा हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।

'रो-को आ गए', विराट-रोहित के डर से कांप रहा है आस्ट्रेलिया

कंगारू टीम के कप्तान कर रहे हैं 'शांति' की दुआ

विराट कोहली और रोहित शर्मा की होगी वापसी

चैंपियंस टाफी के बाद टीम में लौटेंगे रोहित और विराट

भारतीय क्रिकेट टीम के दो दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे सीरीज में उतरने को तैयार हैं। इन दोनों का डर ऑस्ट्रेलियाई टीम में सीरीज से पहले ही घुस गया है।

स्पोर्ट्स डेस्क। चैंपियंस ट्रॉफी-2025 के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा पहली बार टीम इंडिया की जर्सी पहनने तैयार हैं। नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम इंडिया रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में पर्थ में उतरेगी।

इससे पहले मेजबान टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने शांति की दुआ है। रोहित और कोहली दिग्गज बल्लेबाज हैं और मार्श जानते हैं कि अगर उनका बल्ला चल गया तो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी की शामत तय है।

मार्श इन दोनों की वापसी से कांप रहे हैं। सिर्फ मार्श ही नहीं बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम इन दोनों बल्लेबाजों के कारण डर में है।

दोनों है दिग्गज

मार्श इस टीम में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि पैट कमिंस चोटिल हैं। मार्श ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "मुझे इन दोनों के खिलाफ खेलने का मौका मिला है। दोनों खेल के लीजेंड्स हैं।

विराट खासकर सफेद गेंद में चेज मास्टर हैं। इसी कारण आप देख सकते हैं टिकट सेल्स कितनी ज्यादा हुई है। अगर ये ऑस्ट्रेलिया में उनका आखिरी सीरीज है तो मुझे लगता है कि वह इसको इन्जॉय करेंगे। मुझे लगता है कि लोग उन्हें देखेंगे, दोनों से ज्यादा क्रिकेट नहीं बची है, लेकिन दोनों को ऑस्ट्रेलिया में खेलते देखना शानदार होगा।"

जमकर बिके टिकट

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, तीन मैचों की वनडे सीरीज के अभी तक 1,75,000 टिकट बिक चुके हैं। इसका कारण रोहित और विराट कोहली का वनडे सीरीज खेलना है। दोनों ने ओप्टस स्टेडियम में जमकर अभ्यास किया और दोनों को देखने भी काफी भीड़ आई थी।

'रोहित-कोहली मेरी मदद...

वनडे कप्तान बनने के बाद शुभमन गिल ने दो दिग्गजों के साथ संबंधों का किया खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क। शुभमन गिल जब से भारत की वनडे टीम के नए कप्तान बने हैं तब से एक सवाल ये था कि उनके और रोहित शर्मा-विराट कोहली के बीच संबंध कैसे रहेंगे। रोहित को हटाकर ही गिल को कप्तान बनाया गया है। हालांकि, इन दोनों खिलाड़ियों का वनडे वर्ल्ड कप-2027 में खेलना मुश्किल लग रहा है। वनडे कप्तानी मिलने के बाद गिल ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर दोनों दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया और बताया कि नेतृत्व बदलने के बाद क्या-क्या बदला है। गिल ने साफ मना कर दिया है कि उनके और दो दिग्गजों के बीच किसी तरह का मनमुटाव नहीं है।

बाहर का पक्ष अलग

गिल के वनडे कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद भारत पहली बार 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरेगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए गिल ने कहा कि बाहर जो बातें हो रही हैं वो अलग हैं। गिल ने कहा, "मुझे लगता है कि बाहर जो बातें हो रही हैं वो काफी अलग हैं, लेकिन हमारे बीच कुछ भी नहीं बदला है। सब कुछ वैसा ही है जैसे पहले था और वो दोनों काफी मददगार हैं। वो जो भी महूसस करते हैं, जो भी अनुभव उनके पास है, पिच को पढ़ने का, स्थितियों को समझने का, मैं उनके पास जाता हूं और पूछता हूं कि वह क्या सोचते हैं। मैं लोगों के विचार जानना पसंद करता हूं और फिर अपनी समझ से फैसले लेता हूं।"

मेरे दोनों से संबंध अच्छे हैं

गिल ने कहा कि उनके दोनों ही दिग्गजों के साथ अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, "मेरी विराट भाई और रोहित भाई दोनों से अच्छी दोस्ती है। जब भी मुझे किसी तरह का कोई संदेह होता है मैं उनके पास सलाह के लिए जाता हूं। उनकी सलाह मांगता हूं और वह मुझे बताने में बिल्कुल नहीं कतराते। मुझे लगता है कि ये अनुभव की सबसे बड़ी पूंजी है।"

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

अफ़ग़ानिस्तान पर हाल ही में हुए पाकिस्तानी हवाई हमलों में नागरिकों की जान जाने से मुझे गहरा दुख हुआ है। यह एक ऐसी त्रासदी है जिसमें महिलाओं, बच्चों और उन महत्वाकांक्षी युवा क्रिकेटरों की जान चली गई, जो विश्व मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखते थे...इन अनमोल निर्दोष लोगों की जान जाने के बाद, मैं पाकिस्तान के खिलाफ आगामी मैचों से हटने के एसीबी के फैसले का स्वागत करता हूँ

राशिद ख़ान
अफ़गान क्रिकेटर

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर एयरस्ट्राइक की, जिसमें 3 क्रिकेटर्स समेत 8 लोगों की जान चली गई. वहीं 7 घायल हुए हैं. अब मामले पर अफगानिस्तानी क्रिकेटर राशिद खान का रिएक्शन आया है. उन्होंने पाकिस्तान की इस हरकत को अमानवीय करार देते **ACB** के पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली आगामी त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला से हटने के फैसले को सही ठहराया है।